'Harivansh' Paper II - Part B 20/01/2021 1

1A] जन्म (नवजात) से लेकर तीन वर्ष (माह) तक के आयु के बच्चों को 'शिशु' के रूप में परिभाषित किया जाता है।

1B] AYUSH का पूरा नाम आयुर्वेद, योगा, यूनानी, सिद्धा एवं होम्यो पैथी है। यह आयुष मंत्रालय द्वारा संचालित एक विभाग है।
वर्ष 2018 में आयुष मंत्रालय ने 'आयुष आपके द्वार' नामक योजना का शुभारम्भ किया। जिसका उद्देश्य प्रत्येक गांव में 5 किमी के दायरे में निशुल्क आयुष कैम्प लगाकर रोगों का उपचार करना है।

2014

1C]

1D] भ्रष्टाचार उन आप कृत्यों का समुच्चय है जिस किसी विधि, न्याय, नैतिकता तथा सदाचार का उल्लंघन होता है।

आयोग व अधिनियम

1E] AICTE - का पूरा नाम - आल इंडिया काउंसिल फार टेक्नीकल एजुकेशन, अर्थात अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद है जिसकी स्थापना 1945 में सलाहकार बोर्ड के निकाय के रूप में किया गया था, बाद में संसद के अधिनियम द्वारा 1987 में इसे सांविधिक दर्जा प्रदान किया गया। इसका मुख्यालय नई दिल्ली है। इसका उद्देश्य भारत में नई तकनीकी ...

8] [illegible] भारत की आर्थिक [illegible] का [illegible] जो वस्तुओं एवं सेवाओं का [illegible] उपभोग करता है। इसमें वस्तुओं एवं सेवाओं का प्रयोग [illegible] व्यक्तियों के लिए प्रयोग नहीं करता है।

9] रोको टोको अभियान मध्य प्रदेश सरकार द्वारा वर्ष जुलाई 2020 में मास्क न लगाने के लिए [illegible] आरम्भ किया गया। इसका उद्देश्य लोगों में मास्क लगाने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देना तथा कोविड-19 की महामारी को फैलने से रोकना है।

11] -

10] AIIMS - का अर्थ अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान है इसकी आधार शिला 1952 में रखी गई, और इसका गठन 1956 में संसद के अधिनियम के माध्यम से एक स्वायत्त संस्था के रूप में गठित हुआ। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य देखभाल के सभी पक्षों में प्रदान करना है। नई दिल्ली में सबसे पहला AIIMS बना है। वर्तमान में 7 AIIMS कार्यरत है। लक्ष्य 2022 तक हर राज्य में AIIMS का निर्माण करना

Q2

2 A] कोविड 19 एक वैश्विक महामारी के रूप में फैल गई। जिसे स्वास्थ्य संगठन ने इसे वैश्विक आपदा घोषित किया है। विभिन्न देशों ने अपने तरीकों से निपटने का प्रयास किया। राजस्थान सरकार द्वारा इससे उत्पन्न आर्थिक, सामाजिक समस्याओं को दूर करने के लिए निम्न उपाय किए है -

1) स्वास्थ्य -- कोविड 19 की चुनौतियों से लड़ने के लिये 'जीवन अमृत' योजना का शुभारम्भ किया इसके तहत लोगों को 'निःशुल्क' पूर्ण निःशुल्क उपचार कराया गया।

2) प्रवासी मजदूर समस्या - राज्य के बाहर एवं गरीब मजदूरों को आर्थिक मदद एवं रोजगार सुविधाओं के लिये 'मुख्यमंत्री प्रवासी श्रमिक कल्याण' योजना प्रारम्भ किया गया।

3) एक मास्क अनेक जिंदगी - लोगों में मास्क पहनने के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिये।

इस प्रकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था में स्वास्थ्य, रोजगार आदि का क्रियान्वयन कर लोगों की आर्थिक एवं सामाजिक उन्नति का प्रयास किया गया।

(3.5)

2.13] महिला सम्मान और देश के विकास की इनकी सुरक्षा एवं सहभागिता बनाने के लिये संविधान में निम्नांकित उपाय किए गए है -

1) प्रस्तावना - संविधान की प्रस्तावना में

महिलाओं के आर्थिक, सामाजिक एवं मानसिक न्याय को सुनिश्चित किया गया है।

2. मूल अधिकार - संविधान के भाग 3 में अनु 14, अनु 15 ; अनु 15(3) में महिलाओं के लिए विशेष प्रावधान वर्णित है।

3. राज्य के नीति निदेशक तत्व - भाग 4 में उल्लेखित राज्य की आवश्यकता में अनु 39(क), अनु 42 में 'महिलाओं' के सुरक्षा एवं स्वास्थ्य संबंधी नियम का लेख है।

4. अधिनियम - महिलाओं की सुरक्षा हेतु अनेक अधिनियम बनाये गये हैं -
- घरेलू हिंसा रोकथाम अधिनियम 2005
- दहेज निषेध अधिनियम 1961
- विशाखा गाइडलाइन आदि।

निष्कर्ष रूप में महिलाओं के सुरक्षा एवं न्याय हेतु संवैधानिक उपायों के साथ समाज में शिक्षा, महिलाओं को बढ़ावा देकर बदला दिया जाने की जरूरत है।

3.5

c] भारत के संविधान में अनु 17 में अस्पृश्यता का अंत का प्रावधान किया गया है। इस अनुच्छेद को आधार बनाकर अनुसूचित जाति/जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम 1989 का गठन किया गया। यह अधिनियम 30 जनवरी 1990 को लागू हुआ। इसके अंतर्गत पांच अध्याय तथा 22 धारा शामिल

प्र.] WHO अर्थात विश्व स्वास्थ्य संगठन

चिकित्सा सम्बन्धी संस्था · संयुक्त राष्ट्र की एक को ... । इसकी स्थापना 07 अप्रैल 1948 को ... की ... लोगों के लिए ... किया गया। ... सम्बन्धी ... में ... ने ... दिया कि ... कोविड 19 को ... घोषित कर ... पर ... आवश्यकता की घोषणा में देरी। अमेरिका तथा WHO के ... एवं ... का परिणाम रहा।

... के ... दुरुपयोग का आरोप अमेरिका तथा W.H.O. के दायरे से बाहर होने की ... भारत ... कि ... में W.H.O. में सुधार किये जाने की ... को बल दिया है।

सार्वजनिक स्वास्थ्य नियमों के अन्तर्गत इस बात पर बल दिया जाता है कि बीमारियों का प्रसार ... रोका जाये तथा उसके निवारक उपाय किये जायें। इसके अन्तर्गत निवारक आते हैं :

... सरकार द्वारा चलाये जा रहे निम्न निवारण कार्यक्रम निम्नलिखित हैं:-

..., ... निवारण कार्यक्रम,

..., ... रोग निवारण कार्यक्रम

... उन्मूलन कार्यक्रम

3 A 3 कुपोषण एक गंभीर राष्ट्रीय समस्या है। नीति एवं आर्थिक प्रगति के समान दरों को स्थापित करती है। कुपोषण एक मौन आपदा। रिपोर्ट के अनुसार भारत के आठ राज्यों में जितना कुपोषण अफ्रीका आदि उप सहारा के देशों में नहीं है। भारत में कुपोषण दर लगभग 55% है जो इस बात का चलता है कि भारत कितना कुपोषण ग्रस्त देश है।

कुपोषण का अर्थ - आयु शरीर भार के अनुरूप - पर्याप्त पोषणीय भोजन न लेना। अर्थात शरीर के लिये आवश्यक सन्तुलित आहार लम्बे समय तक न मिल पाना ही कुपोषण है।

कुपोषण एक गंभीर एवं जटिल समस्या है जो भारी सामाजिक आर्थिक ढांचे एवं विकास के दावों को खोल देता है। इससे न केवल बच्चों एवं महिलाओं शारीरिक, मानसिक तथा बौद्धिक विकास को बाधित कर

कुपोषण के कारण - कुपोषण एक जटिल समस्या कई घटकों का एक समुच्चय है।

1 घरेलू खाद्य सुरक्षा का सीधा परिणाम है
2. रोजगार न मिल पाना
3 गुणवत्ता एवं पोषण युक्त आहार की कमी
4 पोषण सम्बन्धी जानकारी का अभाव
5 स्वास्थ्य सुरक्षा का अभाव

कुपोषण के कारण
- सामाजिक
- आर्थिक
- सांस्कृतिक
- नीतिगत

सामाजिक कारणों में प्रमुख हैं :-
1. स्वास्थ्य एवं शिक्षा के प्रति जागरूकता का अभाव
2. स्तनपान में स्वच्छता का ध्यान न करना
3. स्वास्थ्य सम्बन्धी बीमारियों की जानकारी आदि।

आर्थिक कारणों में प्रमुख हैं :-
1. गरीबी एवं बेरोजगारी का बढ़ता स्तर
2. बेहतर स्वास्थ्य एवं समुचित पोषण आहार की अनुपलब्धता
3. समुचित भोजन की उपलब्धता में कमी।

सांस्कृतिक कारण - कुपोषण को बढ़ावा देने में समाज में व्याप्त मान्यताएं भी जिम्मेदार हैं।
पूजा, उपवास, अत्यंत [illegible] ग्रहण करना।
बड़े बुजुर्गों के बाद महिलाओं एवं बच्चों का भोजन।
स्वास्थ्य की गुणवत्ता से अधिक पूजा अर्चना में धन का अपव्यय आदि।

नीतिगत कारण - नीतिगत कारणों में शासकीय नीतियों एवं उनके क्रियान्वयन में कमी कारण जिम्मेदार हैं। शासकीय [illegible] कार्यक्रम का प्रभावी तरीके से लागू न होना

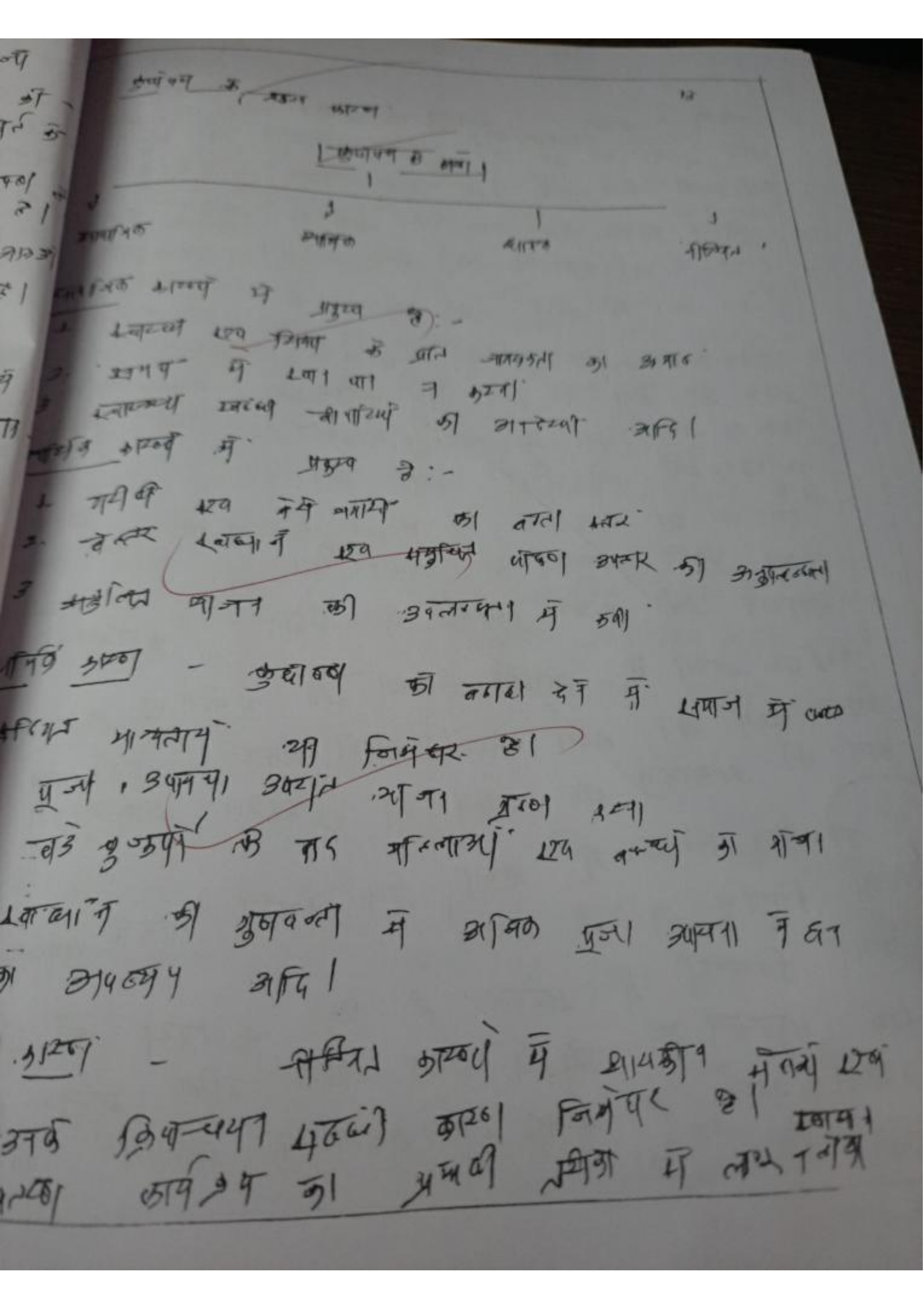

कुपोषण के परिणाम - कुपोषण से शारीरिक विकास एवं मानव क्षमता की उपलब्धता प्रभावित होती है। इसके प्रभावों को निम्न रूपों में वर्गीकृत किया जा सकता है

1. शारीरिक विकास में कमी - बच्चों में बौनापन (आयु के साथ ऊंचाई में कमी) तथा दुबलापन (ऊंचाई के साथ वजन में कमी) का पाया जाना।

2. प्रोटीन ऊर्जा आधारित कुपोषण - (PEM) - बच्चों में प्रोटीन की कमी से बच्चों में क्वाशियरकर (पेट का बढ़ना) तथा मरास्मस (... अर्थात सूखा रोग) जैसी विकृति पायी जाती है।

3. रक्ताल्पता एवं जीवन शैली में परिवर्तन से मोटापा, ... आदि समस्याओं का कारण है।

4. मानसिक एवं बौद्धिक विकास में कमी :- कुपोषण प्रभावित बच्चों में मानसिक अवसाद एवं दुर्बलता प्रभाव पड़ता है। इससे उनके आगामी वर्षों में कार्य की उत्पादकता एवं क्षमता भी प्रभावित होती है।

5. राष्ट्रीय निर्माण में बाधा

7.5

का निर्माण न हो पाना। तथा कुशल मानव ...

उपर्युक्त विश्लेषण से स्पष्ट है कि कुपोषण का एक दुष्चक्र है, जो न केवल व्यक्ति बल्कि ... को प्रभावित करता है। सरकार तथा समाज के ... में सुधार संभव है।

[illegible] [illegible] [illegible] उत्पन्न [illegible] [illegible] पाती उनके [illegible]
[illegible] मनोवैज्ञानिक प्रभाव डालता है।

स्वास्थ्य – प्रवासी मजदूरों का अधिकतर श्रम की [illegible] भारतीय आर्थिक एवं कुपोषित दशा की ओर ले जाता है। जिसमें [illegible] दुर्बलता, [illegible] प्रति [illegible] करना [illegible] शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति में [illegible] से बिगड़ जाती है।

न्यूनतम मजदूरी दोहरा शोषण – प्रवासी मजदूर न्यूनतम [illegible] अधिक दर काम करने को मजबूर है। उनका मजदूरी के लिये वह 'उचित कीमत' करता है। इस स्थिति में वह अपना तथा अपने परिवार के स्वयं की स्थिति को भोगता है।

शिक्षा का अभाव – अशिक्षित होने की वजह से उन्हें अच्छे एवं सम्मानित क्षेत्रों में रोजगार नहीं मिलता। नतीजन वह लगातार मानसिक एवं आर्थिक शोषण का शिकार होते हैं।

तकनीकी ज्ञान का अभाव – तकनीकी ज्ञान में अभाव – बैंकिंग ज्ञान का निर्माण तथा सुविधाओं तक पहुँच असम्भव हो जाता है।

[इन] समस्याओं के अतिरिक्त कार्यों की अनिश्चितता, [स्था]यी रोजगार का अभाव, शासकीय योजनाओं तक पहुँच न [होना आदि] और भी समस्याएं हैं, जिनके समाधान के लिये [सामा]जिक एवं सरकारी स्तरों पर ठोस प्रयत्न [...]
।

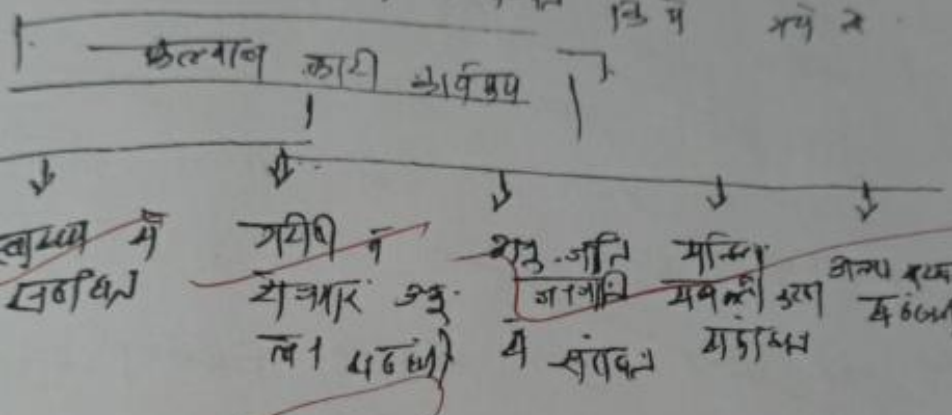

...। म.प्र. की जनसंख्या 2011 के ... 7.26 करोड़ थी ... बच्चों का 15% था। जिसमें ... महिलाओं ... म.प्र. की कुल जनसंख्या में ... से अधिक है। ... भारत ... की ... कल्याणकारी ... राज्य ... के ... कल्याण ... की आवश्यकता की ... चाहे ... कार्यक्रम, योजना। के लिये ... किये गये थे। ... कार्यक्रम ... किये गये थे।

कल्याणकारी कार्यक्रम

- शिक्षा में संचालित
- स्वास्थ्य में संचालित
- गरीबी व बेरोजगार उन्मूलन तथा पदों में संचालित
- अनु. जाति जनजाति द्वारा संचालित
- महिला एवं बाल ... माध्यम
- अन्य पिछड़ा वर्ग
- वृद्ध एवं विकलांग

महिला एवं बाल स्वास्थ्य में संचालित योजनाएं -

महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य में संचालित प्रमुख योजनाएं निम्नवत हैं :

1. दीनदयाल अन्त्योदय उपचार योजना :- इसका प्रारंभ वर्ष 25 सितम्बर 2004 में हुआ।

उद्देश्य - बी.पी.एल / SC-ST के लिये शासकीय - चिकित्सालयों में ₹ 30,000 का प्रतिवर्ष इलाज निःशुल्क

2. [illegible] नारी उत्थान [illegible] योजना – प्रारंभ 12 मई 2006
- उद्देश्य - सामूहिक विवाह को प्रोत्साहित करना।
- लाभ - [illegible] निर्धन परिवारों की [illegible] कन्याओं को ₹ 10000 की सहायता प्रदान करना।

3. दीनदयाल चलित अस्पताल योजना :- प्रारंभ 27 मई 2006
- उद्देश्य - प्रदेश के दूरस्थ तथा S.T. [illegible] क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना।

4. जननी सुरक्षा योजना – प्रारंभ 2005, तथा उद्देश्य - शिशु एवं मातृ मृत्यु दर (MMR) को कम करने हेतु संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देना।

5. मुख्यमंत्री बाल हृदय उपचार योजना - प्रारंभ जुलाई 2011
उद्देश्य - प्रदेश के हृदय रोग से पीड़ित बच्चों का निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराना।

6. सरदार वल्लभ भाई पटेल निःशुल्क औषधि वितरण योजना -
प्रारंभ - 17 नवंबर 2012, उद्देश्य - बी.पी.एल. एवं SC-ST लोगों के लिए निःशुल्क औषधि वितरण करना।

मंगल दिवस योजना - आरम्भ 2007-08 से। प्रथम मंगलवार गोद भराई, द्वितीय मंगलवार अन्नप्राशन, तृतीय मंगलवार जन्म दिवस, चतुर्थ मंगलवार किशोरी बालिका दिवस

कल्याणकारी योजनाओं के अलावा राष्ट्रीय-स्वास्थ्य [illegible]
साथ साथ ICDS के कार्यक्रम संचालित किये जा [illegible]

भाग B

2017 गठन
2019 रिपोर्ट

कस्तूरी रंगन समिति ने नई शिक्षा नीति का मसौदा प्रस्तुत किया। इस समिति का उद्देश्य सभी को रोजगार युक्त तथा गुणवत्ता युक्त शिक्षा देने को सुनिश्चित करना था। अपनी सिफारिश में 5 + 3 + 3 + 4 प्रारूप का सुझाव दिया।

3 - BCG का पूरा नाम बैसिलस कालमेट गुएरिन है जिसका प्रयोग क्षय रोग (तपेदिक) की रोकथाम के लिए किया जाता है।

Bacillus Calmette Guerin (?) 1.5

C] दिव्यांग जन का आशय शारीरिक या मानसिक रूप से असमर्थता से है, जिसके परिणाम स्वरूप अन्य नागरिकों की तरह सामान्य कार्य नहीं कर सकते हैं। वर्षों में विकलांगता की श्रेणी सात से बढ़ाकर 21 कर दी गई है। (2)

D]. राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (NCHP) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा संचालित कार्यक्रम है। (2014) इसका प्रमुख उद्देश्य जन्म से लेकर 18 वर्ष तक के बच्चों में चिह्नित रोग सहित '4D' अर्थात चार प्रकार की परेशानियों की शीघ्र पहचान एवं हस्तक्षेप करना है। 4D के अंतर्गत जन्म के समय दोष, बीमारी, कमी और विकासात्मक व्याधि विकार (2) सहित की जाँच शामिल है।

शब्द सीमा का ध्यान

1.] [illegible] के [illegible] [illegible] [illegible] के कुल [illegible] का [illegible] को [illegible] की।
• [illegible] में [illegible] को [illegible] के [illegible] [illegible] था।

2.] यह [illegible] परियोजना है [illegible] एवं ब्राडबैंड [illegible] [illegible] कार्यक्रम है जो आर्थिक रूप से [illegible] एवं [illegible] के [illegible] आदि प्रौद्योगिकी के माध्यम से [illegible] तक [illegible] क्रियान्वित किया जा सके। यह परियोजना 25 दिसम्बर 2014 को प्रारम्भ की गई।

(2)

3.] एशियाई विकास बैंक की स्थापना 1966 में हुई, जिसका मुख्यालय 'मनीला' है।

• प्रमुख कार्य - 1. एशियाई एवं अन्य पड़ोसी देशों के विकास में सहयोग का उपलब्ध कराना।
2. विकास क्रियान्वयन के लिये तकनीकी सहायता प्रदान करना।
3. 1974 में 'एशियाई विकास निधि' का गठन कर एशियाई देशों की विकास जरूरतों को पूरा करना।

(3)

4.] संक्रामक रोग वे रोग हैं जो किसी न किसी रोग जनित कारकों (रोगाणु) जैसे प्रोटोजोआ, कवक, [illegible] आदि के कारण होते हैं।
• संक्रामक रोगों की एक शरीर से दूसरे शरीर में फैलने की क्षमता होती है।
उदाहरण - मलेरिया, डायरिया, चेचक आदि।

रक्ताल्पता में मानव रक्त की कमी से हो
जाए लाल रक्त कोशिकाओं में पाये जाने वाले हीमोग्लो-
बिन (Hb) की कमी से होता है।
• मानसिक तथा थकावट, कमजोरी आना है। (2)

J) ग्राम नियोजन केन्द्र - दूर दराज गाँवों में
स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुँच सुनिश्चित करने का
प्रयास है। (1) 36107

K] पर्यावरण प्रदूषण से प्रदूषण हवा, जल एवं मिट्टी के
भौतिक, रासायनिक एवं जैविक गुणों में एक ऐसा
अवांछनीय परिवर्तन है जिससे मानव जीवन, औद्योगिक
प्रक्रियाएँ, जीवन दशाएँ तथा सांस्कृतिक तत्वों की हानि
होती है। (1.5) धरोहर, ऐतिहासिक

L] लोक सेवा केन्द्र का आशय उस जगह / स्थान से
अधिकृत केन्द्रों से जहाँ से। जिसके माध्यम से लोगों को
शासकीय योजनाओं तथा सेवाओं से संबंधित समस्त जानकारी
मिल सके। (2)
म.प्र. सरकार ने लोक सेवा केन्द्रों की स्थापना की है।

M] दूरस्थ शिक्षा - शिक्षा की एक ऐसी प्रणाली जिसमें शिक्षार्थी
तथा शिक्षकों को स्थान विशेष अथवा समय विशेष पर
मौजूद होने की आवश्यकता नहीं होती है। (2)
उदाहरण - राज्यों के मुक्त विद्यालय